Report of SCSP trainings

The ICAR-CIFE, Mumbai in collaboration with Fisheries Department, Chatra (Jharkhand) conducted two trainings under SCSP scheme at Fisheries Department, Chatra with the encouragement and facilitation of Dr. Ravishankar C.N., Director/Vice-Chancellor and Dr. Parimal Sardar, Nodal Officer of SCSP scheme, ICAR-CIFE, Mumbai. One training was conducted for SC farmers of Kunda Block (Chatra, Jharkhand) on "Demonstration and preparation of leaf meal based farm-made aquafeed preparation and on-farm feeding management from 8 to 11th February, 2022 (4 days). Total 45 scheduled caste farmers participated in this programme. The training was inaugurated by Dr. Ranjay Kumar Singh, In-charge, KVK, Chatra in presence of Md. Qamruzama, DFO, Chatra and Dr. Sikendra Kumar, Scientist ICAR-CIFE, Mumbai. On first day of training Dr. Sikendra Kumar, Scientist delivered lecture on composite fish culture, pre-& post stocking pond managements, feed-based aquaculture & demonstrated the farmers about the leaf meal based pelleted feed preparation. *Eichhornia* leaf meal, MOC (mustard oil cake), maize, wheat flour, DORB (de-oiled rice bran) and vitamin minerals mixture were used for feed preparation. After getting demonstration, farmers themselves could prepared the pelleted feed. The farmers were also demonstrated about the preparations of mash and ball feeds. Different methods of feeding such as bag feeding, tray feeding and broadcasting were demonstrated. Farmers were taught about the water quality testing, fish health management and fish harvesting process. At the last day of training each farmer was distributed by 500 Inadian major carp seeds (5 to 8 g/fish).

One more training was conducted for SC farmers of Lawaloung Block (Chatra, Jharkhad) on "Demonstration and preparation of leaf meal based farm-made aqua-feed preparation and on-farm feeding management" from 14 to 16th February 2022 (3 days) in which 50 farmers participated. The training was inaugurated by Dr. Dara Sika, Animal Husbandry Officer, Chatra in presence of Md. Qamruzama,, DFO, Chatra, Dr. Sikendra Kumar, Scientist, ICAR-CIFE, Mumbai and Dr. Dilip Kumar Singh, Scientist, ICAR-CIFE, Kolkata Centre. Dr. Sikendra Kumar delivered lecture on composite fish culture, pre-and post-stocking pond management and use of pelleted feed in aquaculture. Dr. Dilip Kumar Singh delivered talk on water quality management and aquaculture practices. Farmers were demonstrated about the leaf meal based pelleted feed preparation using *Eichhornia* leaf meal, MOC, maize, wheat flour, DORB and vitamin minerals mixture. The farmers were also demonstrated about the preparations of different types of feeds.. Bag feeding, tray feeding

and broadcasting methods were demonstrated to farmers. Farmers were also taught about the water quality testing, fish health management and fish harvesting process. At the last day of training each farmer was distributed with one ice box. Overall, both the SCSP trainings were highly successful with good feedback from farmers and wide media coverage.

Fig1 : Inauguration of SCSP training for scheduled caste farmers of Kunda Block (8-11 February, 2022) at Chatra

Fig 2: Pellet feed preparation by the farmers

Fig 3: Distribution of fish seeds to the scheduled caste farmers of Kunda Block

Photos of SCSP training for Lawaloung Block from 14-16th February, 2022

Fig 1: Inauguration of SCSP training for SC farmers of Lawaloung Block (14-16th February 2022)

Fig2: Farmers in inaugural programme.

Fig 4: Distribution of ice -box to the scheduled caste farmers of Lawaloung block

बुधवार को चतरा में मत्स्य पालकों को जानकारी देते अधिकारी।

चतरा में मत्स्य पालकों को दिया गया प्रशिक्षण

चतरा । जिला मत्स्य कार्यालय के सभागार में मत्स्य पालकों को मछली पालन का चार दिवसीय प्रशिक्षण दिया जा रहा है। यह प्रशिक्षण 8 से 11 फरवरी तक चलेगा। यह प्रशिक्षण आईसीएआर-सीआईएफई मुंबई की संस्थान द्वारा दिया जा रहा है। प्रशिक्षक के रूप में संस्थान के वैज्ञानिक डॉ सिकेंद्र कुमार शामिल है। प्रशिक्षण के दौरान मत्स्य पालको को वैज्ञानिक पद्धति से मछली पालन करने बारे में विस्तार से बताया जा रहा है। प्रशिक्षण के दौरान जलकुंभी का पत्ता, सरसों की खली, चावल की खुदी और मकई आदि अनाज को मिलाकर मछली को खाने का दाना तैयार करने की विधि प्रायोगिक कर बताया गया।

प्रभात खबर 3/6

आयोजन | मत्स्य पालकों के प्रशिक्षण का तीसरा दिन

शिविर में लोगों को मछली आहार तैयार करने की विधि बतायी गयी

प्रतिनिधि, चतरा

जिला मत्स्य कार्यालय में मत्स्य पालकों के लिए आयोजित चार दिवसीय प्रशिक्षण के तीसरे दिन गुरुवार को लोकल इंजेडिंग और पत्ती आधारित मत्स्य आहार तैयार करने की जानकारी दी गयी. जलकुंडी का पत्ता, सरसों की खली, मकई का पाउडर, खुदी चावल का पाउडर मिला कर मछली का आहार तैयार करने की विधि बतायी गयी. प्रशिक्षण डॉ सिकेंदर कुमार (वैज्ञानिक आइसीएआरसीआइएफई मुंबई) द्वारा दिया जा रहा है. डॉ सिकेंदर ने बताया कि प्रशिक्षण में कुंदा प्रखंड के 50 मत्स्य पालक भाग ले रहे हैं. उन्होंने कहा कि मत्स्य पालक मछली का आहार निर्माण कर मत्स्य पालन में बढ़ोतरी कर सकते हैं. उन्होंने वैज्ञानिक पद्धति से मत्स्य पालन कर स्वावलंबी बनने की बात कही. साथ ही क्षेत्र में पायी जाने वाली मछली के नस्ल के बारे में बताया. प्रशिक्षण के दौरान मछली पालन की प्रक्रिया, पानी की टेस्टिंग, मछली का स्वास्थ्य, मछलियों का खाद निर्माण के बारे में भी बताया गया. डॉ सिकेंदर ने कहा कि केंद्र सरकार लोगों को रोजगार से जोड़ने व स्वावलंबी बनाने के लिए ग्रामीण क्षेत्र के बेरोजगारों को इस तरह का प्रशिक्षण देने की योजना बनायी है. जिला मत्स्य पदाधिकारी कमरू जामा ने केंद्र व राज्य सरकार द्वारा मत्स्य पालकों को दी जाने वाली योजनाओं की जानकारी दी. मत्स्य प्रसार पदाधिकारी साहनी ने भी लोगों को मत्स्य पालन के बारे में बताया. प्रशिक्षण को सफल बनाने में विजय कुमार, सूरज कुमार अहम भूमिका निभा रहे हैं. प्रशिक्षण अनुसूचित जाति उप योजना के तहत प्रशिक्षण दिया जा रहा है. शुक्रवार को प्रशिक्षण शिविर का समापन होगा.

मछली का आहार तैयारी करने की जानकारी देते वैज्ञानिक.

प्रभात खबर 6/7

मत्स्य पालन कर बनें आत्मनिर्भर : डॉ सिंह

चतरा. जिला मत्स्य कार्यालय में कुंदा प्रखंड के मत्स्य पालकों का चार दिवसीय प्रशिक्षण मंगलवार को प्रारंभ हुआ. आइसीएआरसीआइएफइ मुंबई के वैज्ञानिक डॉ सकेंद्र कुमार के अलावा केवीके के प्रधान कृषि वैज्ञानिक डॉ रंजय कुमार सिंह, डॉ बीपी राय व जिला मत्स्य पदाधिकारी कमरू जामा ने संयुक्त रूप से प्रशिक्षण का शुभारंभ किया. संचालन हीरा निषाद ने किया. वैज्ञानिक डॉ सिंह ने कहा कि किसान साग-सब्जी उत्पादन के साथ-साथ मत्स्य पालन कर आत्मनिर्भर बन सकते हैं. मत्स्य पालन में चतरा जिला अग्रसर है. उन्होंने कहा कि नयी तकनीक से मत्स्य पालन करने के लिए मुंबई से सिकेंद्र कुमार प्रशिक्षण दे रहे हैं. डॉ सिकेंद्र ने कहा कि पत्ती व खरपतवारों का चयन कर मछलियों का आहार बनाया जा सकता है. जिस तरह मनुष्य को आहार की जरूरत होती है, उसी तरह मछलियों को भी आहार जरूरी है. लोकल फिडिंग एवं पत्ती के ग्रेडियम को मिला कर मछलियों का आहार का निर्माण करें. डीएफओ ने कहा कि सरकारी योजना का लाभ उठा कर मत्स्य पालक आत्मनिर्भर बन सकते हैं. केंद्र व राज्य सरकार से मिलने वाले सब्सिडी की जानकारी मत्स्य पालकों को दी.

प्रभात खबर 9/11

अच्छी आय के लिए पशुपालन के साथ मत्स्य पालन भी करें

आइस बॉक्स देते वैज्ञानिक.

चतरा. जिला मत्स्य कार्यालय में लावालौंग प्रखंड के मत्स्य पालकों के लिए आयोजित तीन दिवसीय प्रशिक्षण का बुधवार को समापन हो गया. प्रशिक्षण के अंतिम दिन मत्स्य पालकों को मछली पालन वैज्ञानिक पद्धति से कर अधिक लाभ उठाने की जानकारी दी गयी. मौके पर मत्स्य पालकों को आइस बॉक्स दिया गया. प्रशिक्षण सोमवार को प्रारंभ हुआ था. प्रशिक्षण का उद्घाटन जिला पशुपालन पदाधिकारी डॉ दारा सिस्को, जिला मत्स्य पदाधिकारी कमरू जामा ने किया था. डॉ सिस्को ने कहा कि पशुपालन के साथ-साथ मत्स्य पालन कर भी लोग अच्छी आमदनी प्राप्त कर सकते हैं. मत्स्य पालन कर आत्मनिर्भर बन सकते हैं. वैज्ञानिक पद्धति से मत्स्य पालन करने की जानकारी दी. प्रशिक्षण डॉ सिकेंदर कुमार व डॉ दिलीप कुमार सिंह ने दिया. डॉ सिकेंदर ने मत्स्य पालकों को प्रशिक्षण के दौरान मछली पालन, जलकुंभी पत्ता व अन्य घरेलू सामग्रियों को मिला कर मत्स्य खाद बनाने की प्रक्रिया बतायी. डीएफओ ने मत्स्य पालकों को सरकार से मिलने वाली योजना के बारे में बताया. प्रशिक्षक सह वैज्ञानिक डॉ दिलीप ने मत्स्य बीज, मिट्टी, जल व मत्स्य आहार की गुणवत्ता के बारे में जानकारी दी. प्रशिक्षण को सफल बनाने में मत्स्य प्रसार पर्यवेक्षक चंदेश्वरी साहनी, रामेश्वर हेम्ब्रम, विजय कुमार व सूरज ने अहम भूमिका निभायी.

पूर्व मध्य रेल
ई. निविदा सूचना
दक्षिण पूर्व रेलवे निविदा

Fig: Mass media coverage of the SCSP trainings conducted for SC farmers of Kunda and Lawaloung Blocks held on 8-11th February & 14-16th February, 2022, respectively